सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी
(केन्द्रिक) 2014 सेट-3
(दिल्ली)

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

(1). नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (5)

अचल खड़े रहते जो ऊँचा शीश उठाए तूफानों में,

सहनशीलता, दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में।

वही पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हों निझर,

प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।

आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई,

नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई।

आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना,

नवयुग के पृष्ठों पर तुमको है नूतन इतिहास लिखाना।

उठो राष्ट्र के नवयौवन तुम दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण,

जगो, देश के प्राण जगा दो नए प्राप्त का नया जागरण।

आज विश्व को यह दिखला दी हममें भी जागी। तरुणाई,

नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अँगड़ाई।।

(क) मार्ग की रुकावटों को कौन तोड़ता है और कैसे?

(ख) नवयुवक प्रगति के नाम को कैसे सार्थक करते हैं?

(ग) 'विगत युग के पतझर' से क्या आशय है?

(घ) कवि देश के नवयुवकों का आह्वान क्यों कर रहा है?

(ङ) कविता का मूल संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- (क) जो विषम परिस्थितियों में अडिग भाव से खड़ा रहता है और दृढ़ रह कर आगे बढ़ता है।

(ख) कठिन रास्तों पर आगे बढ़कर।

(ग) पराधीनता के युग की समाप्ति।

(घ) नवयुवक ही देश को प्रगति पथ पर ले जा सकते हैं क्योंकि वे नवयुग के प्रतीक हैं।

(ङ) नवयुवकों को प्रेरित करना जिससे वे विश्व में अपना वर्चस्व स्थापित कर सकें।

(2). नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

बड़ी चीज़ें बड़े संकटों में विकास पाती हैं, बड़ी हस्तियाँ बड़ी मुसीबतों में पलकर दुनिया पर कब्ज़ा करती हैं। अकबर ने तेरह साल की उम्र में अपने पिता के दुश्मन को परास्त कर दिया था जिसका एकमात्र कारण यह था कि अकबर का जन्म रेगिस्तान में हुआ था और वह भी उस समय, जब उसके पिता के पास एक कस्तूरी को छोड़कर और कोई दौलत नहीं थी। महाभारत में देश के प्रायः अधिकांश वीर कौरवों के पक्ष में थे। मगर फिर भी जीत पांडवों की हुई, क्योंकि उन्होंने लाक्षागृह की मुसीबत झेली थी, क्योंकि उन्होंने वनवास के जोखिम को पार किया था। विंस्टन चर्चिल ने कहा है कि ज़िन्दगी की सबसे बड़ी सिफ़त हिम्मत है। आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं। ज़िन्दगी की दो ही सूरतें हैं। एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अँधियाली का जाल बुन रही हों, तब भी वह पीछे को पाँव न हटाए। दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुख पाने का ही संयोग है, क्योंकि वे आत्माएँ ऐसी गोधूलि में बसती हैं जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई देती है। इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे ज़िन्दगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते। और कौन कहता है कि पूरी ज़िन्दगी को दाँव पर लगा देने में कोई आनन्द नहीं है? अगर रास्ता आगे ही निकल रहा हो तो फिर असली मज़ा तो पाँव बढ़ाते जाने में ही है।

साहस की ज़िन्दगी सबसे बड़ी ज़िन्दगी होती है। ऐसी ज़िन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह हैं कि बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोसपड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।

(क) गद्यांश में अकबर का उदाहरण क्यों दिया गया है? (2)

(ख) पांडवों की विजय का क्या कारण था? (1)

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए- (2)

"जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई देती है।"

(घ) साहस की ज़िंदगी को सबसे बड़ी जिंदगी क्यों कहा गया है? (2)

(ङ) दुनिया की असली ताकत किसे कहा गया है और क्यों? (2)

(च) क्रांतिकारियों के क्या लक्षण हैं? (1)

(छ) ज़िंदगी की कौन सी सूरत आपको अच्छी लगती है और क्यों? (2)

(ज) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

(झ) निडर और बेखौफ़ में प्रयुक्त उपसर्ग लिखिए। (1)

(ञ) मिश्र वाक्य में बदलिए - साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है। (1)

उत्तर- (क)

- साहसी जिंदगी का महत्व स्थापित करने के लिए।
- अकबर ने बचपन में रेगिस्तान की कठिनाइयों को झेला था जिससे वह सफल नेतृत्व कर पाया।

(ख)

- लाक्षागृह की मुसीबत झेलना।
- वनवास के कष्टों को सहकर स्वयं को क्षमतावान बनाना।

(कोई एक कारण)

(ग) कुछ ऐसे वंचित लोग होते हैं जो सुख-दुख से प्रभावित नहीं होते और वे कोई साहसिक कदम नहीं उठा सकते।

(घ) क्योंकि वह बिलकुल निडर होती है और दूसरों की परवाह किए बिना कि और लोग क्या कहेंगे-अपना काम करती जाती है।

(घ)

- साहसी व्यक्ति को, जो जनमत की परवाह नहीं करता।

- मनुष्यता को उसी से मार्गदर्शन मिलता है।

(ङ) क्रांतिकारियों के उद्देश्य अनुपम एवं अतुलनीय होते हैं और उनकी गति किसी से प्रभावित नहीं होती है। वे किसी की नकल नहीं करते।

(च)

- पहली सूरत-बड़े मकसद के लिए प्रयास
- जोश के साथ अंधेरे को दूर कर रोशनी को प्राप्त करना।
- इसमें उन्नति के अनेक मार्ग हैं तथा विकास की अनन्त संभावनाएँ।

(अन्योचित तर्कपूर्ण उत्तर भी स्वीकार्य है।)

(ज) हिम्मत और जिंदगी

(अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)

(झ) नि, बे

(ञ) जो साहस की जिंदगी है वही सबसे बड़ी जिंदगी होती है।

खड-'ख'

3. नीचे लिखे विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: (5)

(क) यदि मैं भारत का शिक्षा मंत्री होता

(ख) मोबाइल बिना सब सूना

(ग) कर्म प्रधान विश्व रचि राखा

(घ) क्रिकेट का अन्य खेलों पर प्रभाव

उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित:

- भूमिका/प्रस्तावना
- विषय-वस्तु
- भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति

4. कल कारखानों के द्वारा औद्योगिक अपद्रव्य को नदियों में छोड़े जाने के कारण बढ़ रहे प्रदूषण का वर्णन करते हुए उस पर कड़ी पाबंदी लगाने हेतु अपने राज्य के पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

'खनन माफ़िया' द्वारा आपकी बस्ती के निकट किए जा रहे अवैध खनन से निपटने के लिए अपर्याप्त तैयारियों का उल्लेख करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

उत्तर- पत्र-लेखन:

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ
- प्रभावी विषय-वस्तु
- भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख

(5). (क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: (5)

(i) इंटरनेट की दो प्रमुख उपयोगिताएँ बताइए।

(ii) पीत पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं?

(iii) साइबर पत्रकारिता क्या है?

(iv) ब्रेकिंग न्यूज से आप क्या समझते हैं?

(v) मुद्रित माध्यमों की एक विशेषता बताइए।

(ख) 'महानगरों में यातायात की समस्या' अथवा 'जनसंख्या में महिलाओं का गिरता अनुपात' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- (क) (i)

- हर घंटे में स्वयं को अपडेट किया जा सकता है।
- सूचनाओं का आदान-प्रदान बहुत कम समय में होता है।
- अपनी सुविधानुसार खबरों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
- समेकित माध्यम है।

(किन्हीं दो उपयोगिताओं का वर्णन अपेक्षित। अन्य उपयोगिताएँ भी स्वीकार्य)

(ख) सनसनीखेज़ खबरें

(ग) इंटरनेट के माध्यम से पत्रकारिता, तीव्रता पत्रकारिता। हिन्दी की वेब पत्रकारिता अभी शैशव काल में है।

(घ) जब किसी समाचार को अन्य खबरों या कार्यक्रम को रोककर प्रमुखता के साथ दर्शकों तक पहुँचाया जाता है।

(ङ) इसका स्थायित्व, कभी भी पढ़ा जा सकता है। (अन्य कोई विशेषता भी स्वीकार्य)

(ख) किसी एक आलेख या फ़ीचर पर लेखन-

प्रभावी-वस्तु

प्रस्तुति

भाषा की शुद्धता

(6). 'महँगी होती चिकित्सा सुविधाएँ' अथवा 'दीवाली की रात, अपव्यय की मिसाल' विषय पर एक आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक आलेख या फ़ीचर पर लेखन-

प्रभावी-वस्तु

प्रस्तुति

भाषा की शुद्धता

खण्ड-'ग'

7. प्रस्तुत पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×4=8)

मैं जगजीवन का भार लिए फिरता हूँ,

फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ,

कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर,

मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ!

मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ,

मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,

जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,

मैं अपने मन का गान किया करता हूँ!

(क) जगजीवन का भार लिए फिरने से कवि का क्या आशय है? ऐसे में भी वह क्या कर लेता है?

(ख) 'स्नेह-सुरा' से कवि का क्या आशय है?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए-

जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते।

(घ) 'साँसों के तार' से कवि का क्या तात्पर्य है? आपके विचार से उन्हें किसने झंकृत किया होगा?

उत्तर- (क) कवि संसार में जीवन के लिए भारतुल्य दायित्वों का निर्वाह करता है और जीवन के प्रति सदा अनुराग का भाव बनाये रखता है।

(ख) कवि की दृष्टि में स्नेह का भाव ही उसके लिए सुरा के समान मादक या प्रेरणा का स्रोत है। संसार में उसका प्रचार एवं प्रसार ही उसके जीवन का उद्देश्य है।

(ग) संसार में उन्हीं का सम्मान और आदर भाव है जो संसार की प्रत्येक अच्छी-बुरी बात का समर्थन करते हैं। कवि ऐसा करने में असमर्थ है क्योंकि उसके लिए अपने मन के भाव ही महत्वपूर्ण है।

(घ) साँसों के तार से कवि का अभिप्राय उसके जीवन से है, जिसमें निरंतर वह सुख दुख की अनुभूति करता रहता है। कोई अज्ञात शक्ति ही कवि के जीवन की प्रेरणा का स्रोत है।

अथवा

अट्टालिका नहीं है रे

आतंक-भवन

सदा पंक पर ही होता

जल-विप्लव-प्लाविन

क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से

संदा छलकता नीर

रोग-शोक में भी हँसता है

शैशव का सुकुमार शरीर।

(क) कवि अट्टालिकाओं को आतंक भवन क्यों मानता है?

(ख) 'पंक' और 'जलज' का प्रतीकार्थ बताइए।

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए - सदा पंक पर ही होता जल-विप्लव-प्लावन।

(घ) शिशु का उल्लेख यहाँ क्यों किया गया है?

उत्तर- (क) क्योंकि गरीबों को आतंकित करने वाले उन्हीं भवनों में निवास करते हैं। सामान्य जन समुदाय पर अत्याचार और अन्याय के षड्यंत्रों की योजना यहीं की जाती है।

(ख) पंक का प्रतिकार्थ 'शोषित समाज' से है। जलज का प्रतिकार्थ 'पूँजीपति वर्ग' से है।

(ग) गरीब वर्ग पर ही अनाचार और अत्याचार होते हैं जिनके कारण क्रांति का जन्म होता है।

(घ) निम्नवर्ग (गरीब) के शिशु कोमल शरीर पर पड़ने वाले कष्टों में भी मुस्कराते रहते हैं। गरीब समाज भी इन्हीं शिशुओं की तरह सुख-दुख में भी हँसता रहता है।

8. नीचे लिखे काव्य खण्ड को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उतर लिखए: (6)

सुत बित नारि भवन परिवारा। होहिं जाहिं जग बारहिं बारा।।

अस विचारि जियँ जागहु ताता। मिलइ न जगत सहोदर भ्राता।।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त भाषा एवं छन्द का नाम लिखिए।

(ख) प्रयुक्त अलंकार का नाम और दो उदाहरण लिखिए।

(ग) कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क) -अवधी भाषा

-'चौपाई' छंद

(ख) -अनुप्रास अलंकार

-बारहुँ बारा, जिस जागहुँ

(ग) -संसार में पत्नी, पुत्र, धन आदि का बार-बार मिलना।

-सगे भाई का मिलना असंभव।

अथवा

जो मुझको बदनाम करे हैं काश वे इतना सोच सकें।

मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले हैं।।

(क) कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) काव्यांश की भाषा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'परदा खोलना' का प्रयोग-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क) दूसरों की गोपनीय बातें या निंदा करने वाले विचार करें- वे दूसरों की बुराई बता रहें हैं या अपने अवगुण।

(ख) लाक्षणिक भाषा, मुहावरेदार, उर्दू और फारसी भाषा का प्रयोग।

(ग) रहस्य बताना/रहस्य प्रकट करना

9. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×2=6)

(क) कागज के पन्ने की तुलना छोटे चौकोने खेत से करने का आधार स्पष्ट कीजिए।

(ख) सिद्ध कीजिए कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण है।

(ग) कैमरे में बन्द अपाहिज कविता कुछ लोगों की संवेदनहीनता प्रकट करती है, कैसे?

उत्तर- (क) कृषि कर्म और कवि कर्म में समानता।

- चौकोर खेत में बीज बोना तथा कागज़ पर विचार लेखन।
- एक से शारीरिक और दूसरे से मानसिक भूख का शांत होना।
- खेत और कागज़ के पन्ने में उर्वरता के कारण समानता।

(ख)

- प्रातः का आकाश - राख से लीपा हुआ गीला चौका।
- सूर्य की हल्की लालिमा - काली सिल पर केसर का पीसना/स्लेट पर लाल ख़डिया मलना।
- चमकता सूर्य - नील जल में स्नान करती सुंदरी की झिलमिल देह।

(ग)

- संचालक का स्वयं को शक्तिशाली मानना।
- अनावश्यक प्रश्न पूछकर विकलांग और दर्शक दोनों को रुलाने की कोशिश करना।
- कार्यक्रम को रोचक बनाना - प्रमुख लक्ष्य।
- व्यावसायिक दृष्टिकोण की प्रमुखता।

10. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लें, वह भी लें। सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को ज़रूर सेंक मिल जाता है। पर इससे अभिमान की गिल्टी को और खुराक ही मिलती है। जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी?

(क) बाज़ार के जादू से क्या तात्पर्य है?

(ख) बाज़ार का जादू कब अधिक प्रभावी होता है और क्यों?

(ग) जादू का प्रभाव समाप्त होने पर क्या अनुभव होता है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए 'अभिमान की गिल्टी को और खुराक मिलती है।'

उत्तर- (क)

- आँख के रास्ते काम करता है।
- रूप और आकर्षण का जादू है।
- मन के खाली और जेब के भरी होने पर इसका प्रभाव अधिक होता है।
- जेब खाली पर मन भरा न हो तो भी इसका प्रभाव कारगर होता है।

(ख)

- जेब भरी हो, मन खाली हो।
- जेब के भरी होने पर मन नियंत्रण में नहीं रहता। तरह-तरह की चीजों पर सहज – स्वाभाविक आकर्षण।

(ग)

- आरामदायक वस्तुएँ आराम न देकर खलल ही डालती हैं।
- अहंकार बढ़ता है - इसका अनुभव होते ही आत्मग्लानि का भाव।
- स्वयं खरीदी वस्तुएँ अनावश्यक लगती हैं।

(कोई दो बिंदु अपेक्षित)

(घ)

- बाजार का जादू अहंकार की गाँठ को बढ़ाने का काम करता है। मेरे पास यह है, वह है – ऐसी सोच उस गाँठ को पोषित करती है।
- वस्तु की अधिकता अभिमान की वृद्धि में सहायक होती है।

अथवा

दोनों ही लड़के राज-दरबार के भावी पहलवान घोषित हो चुके थे। अतः दोनों का भरण-पोषण दरबार से ही हो रहा था। प्रतिदिन प्रातःकाल पहलवान स्वयं ढोलक बजाकर दोनों से कसरत करवाता। दोपहर में, लेटे-लेटे दोनों को सांसारिक ज्ञान की भी शिक्षा देता - 'समझे ! ढोलक की आवाज पर पूरा ध्यान देना। हाँ, मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है, समझे ! ढोल की आवाज के प्रताप से ही मैं पहलवान हुआ। दंगल में उतरकर सबसे पहले ढोलों को प्रणाम करना, समझे !" ऐसी ही बहुत सी बातें वह कहा करता। फिर मालिक को कैसे खुश रखा जाता है, कब कैसा व्यवहार करना चाहिए, आदि की शिक्षा वह नित्य दिया करता था।

(क) पहलवान के बेटों का भरण-पोषण राज-दरबार से क्यों होता था?

(ख) पहलवान अपने पुत्रों को क्या शिक्षा दिया करता था?

(ग) लुट्टन किसे अपना गुरु मानता था और क्यों?

(घ) आज गाँवों में अखाड़े समाप्त हो रहे हैं, इसके क्या कारण हो सकते हैं?

उत्तर- (क)

- राजदरबार के भावी पहलवान घोषित होने के कारण।
- लुट्टन के गुणों को संस्कार रूप में ग्रहण करने के कारण।

(ख)

- सांसारिक ज्ञान की शिक्षा।
- मालिक को खुश रखने का तरीका।
- ढोल को ही गुरु तुल्य मान कर जीवन का आधार स्वीकार करना।

(ग)

- ढोल को।
- एकलव्य की भाँति ढोल की आज्ञा का अनुसरण करता।
- ढोल की ध्वनि गाँववालों को भीषण दुख में भी संजीवनी शक्ति प्रदान करती।
- ढोल के सहारे बेटों की मृत्यु झेलना।

- ढोल ही उसकी पहलवानी का मूल आधार।

(घ)

- कुश्ती के स्थान पर टी.वी. क्रिकेट आदि का प्रचलन।
- शारीरिक बल को समाज द्वारा महत्व न देना।
- सरकार की अनदेखी।
- कुश्ती के प्रति आकर्षण का अभाव।
  (अन्य कारण भी स्वीकार्य)

11. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×4=12)

(क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती हो गई कैसे? सोदाहरण लिखिए।

(ख) 'गगरी फूटी-बैल पियासा' से लेखक का क्या आशय है?

(ग) उन संघर्षों का उल्लेख कीजिए जिनसे टकराते-टकराते चाली चैप्लिन के व्यक्तित्व में निखार आता चला गया।

(घ) 'नमक कहानी में क्या संदेश छिपा हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

(ङ) डॉ. आम्बेडकर के मतानुसार दासता की व्यापक परिभाषा क्या है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क) -भक्तिन द्वारा बनाये गये विभिन्न ग्रामीण व्यंजनों को खा कर, जैसे –

- थाली में परोसी गयी गाढ़ी दाल खा कर।
- रात में बना मकई का दलिया सुबह मट्ठे के साथ खा कर।
- ज्वार के भुट्टे के हरे दानों की खिचड़ी खा कर।

(ख)

- सरकारी योजनाओं का केवल कागज़ पर चलना।
- पात्र व्यक्ति को लाभ न मिलना।
- भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का उचित रूप में कार्यान्वित न होना।
- 'गगरी' सरकारी योजनाओं का और 'प्यासा बैल' जरूरतमंद व्यक्ति का प्रतीक है।

(ग)

- परित्यक्ता, दूसरे दर्जे की अभिनेत्री का बेटा होना।
- भयावह गरीबी तथा माँ का पागलपन।

- पूँजीपति और सामंती समाज से मिला अपमान।

(घ) देशों की कितनी ही सीमा रेखाएँ खींची जाएँ या मज़हबी आधार पर रेखाओं के इधर-उधर अपनी जगहें मुकर्रर कर दी जाय परंतु कोई भी बाध्यता उनके नागरिकों के जन्मजात भावों में परिवर्तन नहीं कर पाएँगी और ये राजनीतिक सरहदें एक दिन बेमानी हो जाएँगी।

(ङ)

- उच्च जातियों द्वारा निम्न जाति के लोगों को शिक्षा से वंचित रखना।
- परिणामतः निम्न जाति के लोगों का पिछड़ना।
- अछूतों को मुख्य धारा से न जुड़ने देना।
- अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता न देना।

12. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×2=4)

(क) पीटर के स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जो ऐन को पसंद नहीं हैं।

(ख) 'सिंधु घाटी के लोगों में कला या सुरुचि का महत्त्व ज़्यादा था'-टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'जूझ' के लेखक का पिता बेटे की पढ़ाई-लिखाई के पक्ष में क्यों नहीं था?

उत्तर- (क)

- खाने संबंधी बातें।
- अन्य धर्मों के प्रति नफरत का भाव।

(ख)

- यह सभ्यता भव्यता के स्थान पर कलात्मकता पर अधिक जोर देती है।
- लोगों की रुचि कलाबोध से जुड़ी है।
- वास्तुकला या नगर नियोजन ही नहीं धातु और पत्थर की मूर्तियाँ, पशु-पक्षियों की छवियाँ, बारीकी से उत्कीर्ण आकृतियाँ सुघड़ अक्षर आदि उनकी कलात्मकता दर्शाती है।

(ग)

- खेती ही उनके लिए सर्वस्व थी।
- खेती और फसल से जुड़े कामों में अधिक से अधिक लाभ कमाने के लिए अपने बेटे का सहयोग लेना चाहते थे।

13. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- (3×2=6)

(क) यशोधर पंत की तीन चारित्रिक विशेषताएँ सोदाहरण समझाइए।

(ख) ऐन की डायरी निजी कहानी न होकर तत्कालीन समाज का दर्पण है कैसे?

(ग) 'जूझ' के लेखक के कवि बनने की कहानी का वर्णन कीजिए।

उत्तर- (क)

- भेंट किये गये ड्रेसिंग गाउन को पहनते हुए यशोधर बाबू को यह बात चुभ गई कि उनका बेटा उपहार तो दे सकता है पर काम में हाथ नहीं बँटा सकता।
- दूध लाने के लिए गाउन दे सकता है, पर दूध नहीं ला सकता।

(ख) कथन के पक्ष में –

- समयानुसार इसमें लाभ घट रहा है।
- इसमें समय बर्बाद करने से पढ़ाई का नुकसान हो रहा है।

विपक्ष में –

- खेती से हमें खाने की सामग्री प्राप्त होती है।
- फसलें अच्छी होने से आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।
  (पक्ष या विपक्ष में मुक्त उत्तर भी स्वीकार्य है।)

(ग) सिंधु - घाटी सभ्यता में गेहूँ, सरसों, चना, कपास, बाजरा, रागी, खरबूज़े, अंगूर, खजूर आदि फसलों के प्रमाण मिले हैं।

14. 'जूझ' कहानी आधुनिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन-मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **(5)**

उत्तर-

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर उन जीवन-मूल्यों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए जो समय के साथ बदल रहे हैं।

उत्तर-